तीतुस

1 पौलुस की ओर से जिसे परमेश्वर के चुने हुए लोगों
को उनके विश्वास में सहायता देने के लिये और
हमारे धर्म की सचाई के सम्पूर्ण ज्ञान की रहनुमाई के लिए
भेजा गया है; 2वह मैं ऐसा इसलिए कर रहा हूँ कि परमेश्वर
के चुने हुओं को अनन्त जीवन की आस बँधे। परमेश्वर
ने, जो कभी झूठ नहीं बोलता, अनादि काल से अनन्त
जीवन का वचन दिया है। 3उचित समय पर परमेश्वर ने
अपने सुसन्देश को उपदेशों के द्वारा प्रकट किया। वही
सुसन्देश हमारे उद्धार कर्त्ता परमेश्वर की आज्ञा से मुझे
सौंपा गया है।

4हमारे समान विश्वास में मेरे सच्चे पुत्र तीतुस को:
हमारे परमपिता परमेश्वर और उद्धारकर्ता मसीह यीशु
की ओर से अनुग्रह और शांति प्राप्त हो।

क्रेते में तीतुस का कार्य

5मैंने तुझे क्रेते में इसलिये छोड़ा था कि वहाँ जो कुछ
अधूरा रह गया है, तू उसे ठीक ठाक कर दे और मेरे
आदेश के अनुसार हर नगर में बुजुर्गों को नियुक्त करे।
6उसे नियुक्त तभी किया जाये जब वह निर्दोष हो। एक
पत्नी व्रती हो। उसके बच्चे विश्वासी हों और
अनुशासनहीनता का दोष उन पर न लगाया जा सके।
तथा वे निरंकुश भी न हों। 7निरीक्षक को निर्दोष तथा
किसी भी बुराई से अछूता होना चाहिये। क्योंकि जिसे
परमेश्वर का काम सौंपा गया है, उसे अड़ियल, चिड़चिड़ा
और दाखमधु पीने में उसकी रूचि नहीं होनी चाहिए। उसे
झगड़ालू, नीच कमाई का लोलुप नहीं होना चाहिये 8बल्कि
उसे तो अतिथियों की आवभगत करने वाला, नेकी को
चाहने वाला, विवेक-पूर्ण, धर्मी, भक्त, तथा अपने पर
नियंत्रण रखने वाला होना चाहिये। 9उसे उस विश्वास
करने योग्य संदेश को दृढ़ता से धारण किये रहना चाहिये
जिसकी उसे शिक्षा दी गयी है, ताकि वह लोगों को
सद्शिक्षा देकर उन्हें प्रबोधित कर सके। तथा जो इसके
विरोधी हों, उनका खण्डन कर सके।

10यह इसलिये महत्त्वपूर्ण है क्योंकि बहुत से लोग
विद्रोही हो कर व्यर्थ की बातें बनाते हुए दूसरों को भटकाते
हैं। मैं विशेष रूप से यहूदी पृष्ठभूमि के लोगों का उल्लेख
कर रहा हूँ। 11उनका तो मुँह बन्द किया ही जाना चाहिये।
क्योंकि वे जो बातें नहीं सिखाने की हैं, उन्हें सिखाते हुए
घर के घर बिगाड़ रहे हैं। बुरे रास्तों से धन कमाने के
लिये ही वे ऐसा करते हैं। 12एक क्रेते के निवासी ने अपने
लोगों के बारे में स्वयं कहा है: “क्रेते के निवासी सदा झूठ
बोलते हैं, वे जंगली पशु हैं, वे आलसी हैं, पेटू हैं।”
13यह कथन सत्य है, इसीलिये उन्हें बलपूर्वक डाँटो-
फटकारो ताकि उनका विश्वास पक्का हो सके। 14यहूदियों
के पुराने वृत्तान्तों पर और उन लोगों के आदेशों पर, जो
सत्य से भटक गये हैं, कोई ध्यान मत दो। 15पवित्र लोगों
के लिये सब कुछ पवित्र है, किन्तु अशुद्ध और जिन में
विश्वास नहीं है, उनके लिये कुछ भी पवित्र नहीं है। 16वे
परमेश्वर को जानने का दावा करते हैं। किन्तु उनके
कर्म दर्शाते हैं कि वे उसे जानते ही नहीं। वे घृणित और
आज्ञा का उल्लंघन करने वाले हैं। तथा किसी भी अच्छे
काम को करने में वे असमर्थ हैं।

सच्ची शिक्षा का अनुसरण

2 किन्तु तुम सदा ऐसी बातें बोला करो जो सदशिक्षा के
अनुकूल हों। 2वृद्ध पुरुषों को शिक्षा दो कि वे शालीन
और अपने पर नियन्त्रण रखने वाले बनें। वे गंभीर, विवेकी,
प्रेम और विश्वास में दृढ़ और धैर्यपूर्वक सहनशील हों।

3इसी प्रकार वृद्ध महिलाओं को सिखाओ कि वे
पवित्रजनों के योग्य उत्तम व्यवहार वाली बनें। निन्दक न
बनें तथा बहुत अधिक दाखमधु पान की लत उन्हें न हो।
वे अच्छी अच्छी बातें सिखाने वाली बनें 4ताकि युवतियों

को अपने–अपने बच्चों और पतियों से प्रेम करने की सीख
दे सकें। [5]जिससे वे संयमी, पवित्र, अपने–अपने घरों की
देखभाल करने वाली, दयालु, अपने पतियों की आज्ञा मानने
वाली बनें जिससे परमेश्वर के वचन की निन्दा न हो।
[6]इसी तरह युवकों को सिखाते रहो कि वे संयमी बनें।
[7]तुम अपने आप को हर बात में आदर्श बना कर दिखाओ।
तेरा उपदेश शुद्ध और गम्भीर होना चाहिये। [8]ऐसी सद्‌वाणी
का प्रयोग करो, जिसकी आलोचना न की जा सके ताकि
तेरे विरोधी लज्जित हों क्योंकि उनके पास तेरे विरोध में
बुरा कहने को कुछ नहीं होगा।

[9]दासों को सिखाओ कि वे हर बात में अपने स्वामियों
की आज्ञा का पालन करें। उन्हें प्रसन्न करते रहें। उलट
कर बात न बोलें। [10]चोरी चालाकी न करें। बल्कि सम्पूर्ण
विश्वसनीयता का प्रदर्शन करें। ताकि हमारे मुक्तिदाता
परमेश्वर के उपदेश की हर प्रकार से शोभा बढ़े।

[11]क्योंकि परमेश्वर का अनुग्रह सब मनुष्यों के उद्धार
के लिए प्रकट हुआ है। [12]इससे हमें सीख मिलती है कि हम
परमेश्वर विहीनता को नकारें और सांसारिक इच्छाओं
का निषेध करते हुए ऐसा जीवन जीयें जो विवेकपूर्ण नेक,
भक्ति से भरपूर और पवित्र हो। आज के इस संसार में
[13]आशा के उस धन्य दिन की प्रतीक्षा करते रहें जब हमारे
परम परमेश्वर और उद्धारकर्ता यीशु मसीह की महिमा
प्रकट होगी। [14]उसने हमारे लिये अपने आपको दे डाला।
ताकि वह सभी प्रकार की दुष्टताओं से हमें बचा सके और
अपने चुने हुए लोगों के रूप में अपने लिये हमें शुद्ध कर
ले–हमें, जो उत्तम कर्म करने को लालायित हैं।

[15]इन बातों को पूरे अधिकार के साथ कह और समझाता
रह, उत्साहित करता रह और विरोधियों को झिड़कता
रह। ताकि कोई तेरी अनसुनी न कर सके।

जीवन की उत्तम रीति

3 लोगों को याद दिलाता रह कि वे राजाओं और
अधिकारियों के अधीन रहें। उनकी आज्ञा का पालन
करें। हर प्रकार के उत्तम कार्यों को करने के लिये तैयार
रहें। [2]किसी की निन्दा न करें। शांति–प्रिय और सज्जन
बनें। सब लोगों के साथ अच्छा व्यवहार करें।

[3]यह मैं इसलिये बता रहा हूँ क्योंकि हम भी, एक समय
था, जब मूर्ख थे। आज्ञा का उल्लंघन करते थे। भ्रम में पड़े
थे। तथा वासनाओं एवम् हर प्रकार के सुख–भोग के दास
बने थे। हम दुष्टता और ईर्ष्या में अपना जीवन जीते थे। हम
से लोग घृणा करते थे तथा हम भी परस्पर एक दूसरे को
घृणा करते थे। [4]किन्तु जब हमारे उद्धार कर्ता परमेश्वर
की मानवता के प्रति करुणा और प्रेम प्रकट हुए [5]उसने
हमारा उद्धार किया। यह हमारे निर्दोष ठहराये जाने के
लिये हमारे किसी धर्म के कामों के कारण नहीं हुआ
बल्कि उसकी करुणा द्वारा हुआ। उसने हमारी रक्षा उस
स्नान के द्वारा की जिसमें हम फिर पैदा होते है और पवित्र
आत्मा के द्वारा नये बनाये जाते हैं। [6]उसने हम पर पवित्र
आत्मा को हमारे उद्धार कर्ता यीशु मसीह के द्वारा भरपूर
उँडेला है। [7]अब परमेश्वर ने हमें अपनी अनुग्रह के द्वारा
निर्दोष ठहराया है ताकि जिसकी हम आशा कर रहे थे
उस अनन्त जीवन के उत्तराधिकार को पा सकें। [8]यह
कथन विश्वास करने योग्य है और मैं चाहता हूँ कि तुम
इन बातों पर डटे रहो ताकि वे जो परमेश्वर में विश्वास
करते हैं, अच्छे कर्मों में ही लगे रहें। ये बातें लोगों के लिए
उत्तम और हितकारी हैं।

[9]वंशावलि सम्बन्धी विवादों, व्यवस्था सम्बन्धी झगड़ों
झमेलों और मूर्खतापूर्ण मतभेदों से बचा रह क्योंकि उनसे
कोई लाभ नहीं, वे व्यर्थ हैं। [10]जो व्यक्ति फूट डालता हो,
उससे एक या दो बार चेतावनी देकर अलग हो जाओ।
[11]क्योंकि तुम जानते हो कि ऐसा व्यक्ति मार्ग से भटक गया
है और पाप कर रहा है। उसने तो स्वयं अपने को दोषी
ठहराया है।

याद रखने की कुछ बातें

[12]मैं तुम्हारे पास जब अरतिमास या तुखिकुस को भेजूँ
तो मेरे पास निकुपुलिस आने का भरपूर जतन करना
क्योंकि मैंने वहीं सर्दियाँ बिताने का निश्चय कर रखा है।
[13]वकील जेनास और अप्पुलोस को उनकी यात्रा के लिये
जो कुछ आवश्यक हो, उसके लिये तुम भरपूर सहायता
जुटा देना ताकि उन्हें किसी बात की कोई कमी न रहे।
[14]हमारे लोगों को भी सत्कर्मों में लगे रहना सीखना चाहिये।
उनमें से भी जिनको अत्यधिक आवश्यकता हो, उसको
पूरी करना ताकि वे विफल न हों।

[15]जो मेरे साथ हैं, उन सब का तुम्हें नमस्कार। हमारे
विश्वास के कारण जो लोग हमसे प्रेम करते हैं, उन्हें भी
नमस्कार।

परमेश्वर का अनुग्रह तुम सब के साथ रहे।

License Agreement for Bible Texts

World Bible Translation Center
Last Updated: September 21, 2006

Copyright © 2006 by World Bible Translation Center
All rights reserved.

These Scriptures:

- Are copyrighted by World Bible Translation Center.
- Are not public domain.
- May not be altered or modified in any form.
- May not be sold or offered for sale in any form.
- May not be used for commercial purposes (including, but not limited to, use in advertising or Web banners used for the purpose of selling online add space).
- May be distributed without modification in electronic form for non-commercial use. However, they may not be hosted on any kind of server (including a Web or ftp server) without written permission. A copy of this license (without modification) must also be included.
- May be quoted for any purpose, up to 1,000 verses, without written permission. However, the extent of quotation must not comprise a complete book nor should it amount to more than 50% of the work in which it is quoted. A copyright notice must appear on the title or copyright page using this pattern: "Taken from the HOLY BIBLE: EASY-TO-READ VERSION™ © 2006 by World Bible Translation Center, Inc. and used by permission." If the text quoted is from one of WBTC's non-English versions, the printed title of the actual text quoted will be substituted for "HOLY BIBLE: EASY-TO-READ VERSION™." The copyright notice must appear in English or be translated into another language. When quotations from WBTC's text are used in non-saleable media, such as church bulletins, orders of service, posters, transparencies or similar media, a complete copyright notice is not required, but the initials of the version (such as "ERV" for the Easy-to-Read Version™ in English) must appear at the end of each quotation.

Any use of these Scriptures other than those listed above is prohibited. For additional rights and permission for usage, such as the use of WBTC's text on a Web site, or for clarification of any of the above, please contact World Bible Translation Center in writing or by email at distribution@wbtc.com.

World Bible Translation Center
P.O. Box 820648
Fort Worth, Texas 76182, USA
Telephone: 1-817-595-1664
Toll-Free in US: 1-888-54-BIBLE
E-mail: info@wbtc.com

WBTC's web site – World Bible Translation Center's web site: http://www.wbtc.org

Order online – To order a copy of our texts online, go to: http://www.wbtc.org

Current license agreement – *This license is subject to change without notice. The current license can be found at:* http://www.wbtc.org/downloads/biblelicense.htm

Trouble viewing this file – If the text in this document does not display correctly, use Adobe Acrobat Reader 5.0 or higher. Download Adobe Acrobat Reader from: http://www.adobe.com/products/acrobat/readstep2.html

Viewing Chinese or Korean PDFs – To view the Chinese or Korean PDFs, it may be necessary to download the Chinese Simplified or Korean font pack from Adobe. Download the font packs from: http://www.adobe.com/products/acrobat/acrrasianfontpack.html